Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to address the problem of scarcity of drinking water in Latur Parliamentary Constituency, Maharashtra.

श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे (लातूर): महोदय, हालांकि देश के अधिकांश भागों में आमतौर पर सामान्य वर्षा हुई, परन्तु महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र तथा विशेषकर लातूर जिले को इस साल भी भयंकर सूखे का सामना करना पड़ा है । मराठवाड़ा के अधिकांश जिलों में पिछले कई सालों से सूखा पड़ रहा है तथा यहाँ पीने के पानी की भारी किल्लत है । बारिश नहीं होने के कारण किसानों की फसलें इस साल भी चौपट हो गई हैं । लातूर के मांजरा डैम, जो कि लातूर शहर की लाइफ लाइन है तथा जिसकी क्षमता 2.24 लाख मिलियन लीटर है, में सिर्फ 4000 मिलियन लीटर पानी रह गया है । नगर निगम के पास पीने के पानी का स्टाक पूरी तरह से समाप्त हो गया है । लातूर पिछले 10 सालों से भयंकर सूखे का सामना कर रहा है तथा सिंचाई की बात तो दूर यहाँ के निवासियों को पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं है । लोगों को एक घड़ा पानी लाने के लिए कई-कई किलोमीटर लंबा सफर तय करना पड़ता है । जिन किसानों ने बारिश की उम्मीद से काफी पैसा खर्च कर अपनी फसल बोई थी, वह पूरी तरह बर्बाद हो गई है तथा किसान कर्ज के बोझ तले दब गए हैं । भूमिगत जल खतरे की हद तक नीचे चला गया है । महाराष्ट्र सरकार ने यहाँ के लिए भूमिगत जल का स्तर ऊपर लाने के लिए जल संरक्षण योजना बनाई थी, परन्तु बारिश नहीं होने के कारण वह भी पूरी तरह भरा नहीं है ।

अत: इस सम्माननीय सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह शीघ्रातिशीघ्र सर्वेक्षण करवाकर यहाँ के किसानों को हुए नुकसान के लिए जल्द से जल्द मुआवजा देने का प्रबंध करे और साथ ही साथ यहाँ के निवासियों को पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लागू

की जा रही 'हर घर जल, हर घर नल' योजना के तहत इसे लातूर शहर में प्राथमिकता के आधार पर लागू कर प्रत्येक घर में पेयजल आपूर्ति की शीघ्रातिशीघ्र व्यवस्था करे ।